डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 275 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 21 जुलाई 2025 | मूल्य 2 रुपया

25 साल में 11 बार ही हुई औसत वर्षा

इस बार जुलाई का कोटा अभी से ही पूरा, अच्छी बारिश का अनुमान

मंदसौर में हर साल बदल रही मानसून की स्थिति

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले में बारिश का दौर जारी है। इस बार जुलाई का कोटा अभी से ही पूरा हो चुका है। पहले ही मौसम विभाग अच्छी बारिश की संभावना जाहिर कर चुका है। मंदसौर जिले में मानसून की स्थिति हर साल बदल रही है। वर्ष 2000 के बाद अभी 2025 तक के 25 वर्षों में जिले में मात्र 11 बार ही औसत वर्षा हुई है। बाकी 14 साल वर्षा औसत से कम ही रही। वर्षा की कमी के कारण जिले का जलस्तर भी ग्रीष्म ऋतु के दिनों में 40 से 44 मीटर तक नीचे चला जाता है। इसके कारण पेयजल संकट की स्थिति भी निर्मित होती रही है।

21 वीं सदी में जिले में 25 साल का सफर देखें तो महज 11 बार ही औसत वर्षा का आंकड़ा छुआ है या उससे आगे निकले हैं। 14 साल तो ऐसे रहे, जिसमें जिला औसत बरसात 832 मिमी के लिए भी तरस गया था। पिछले साल औसत से अधिक 900 मिमी वर्षा हुई थी। इससे पहले 2023 में जिले में महज 750.4 मिमी वर्षा हुई थी। बीते 25 वर्षों में जिले में सबसे ज्यादा बारिश 2019 में हुई थी और सबसे कम 2001 में दर्ज हुई थी। बता दें कि जिले में प्रतिवर्ष मानसून की चाल बदलती है। बीते 21 वर्षों में से 14 साल तो ऐसे रहे जब औसत वर्षा भी नहीं हो पाई। बारिश की कमी के कारण सबसे ज्यादा खरीफ सीजन की फसलों में ही परेशानी होती है, कम बारिश से जिले का भूजल स्तर भी गड़बड़ाता है। इसके कारण ग्रीष्म ऋतु में पेयजल संकट हर साल उत्पन्न होता है। असमान वर्षा का अंदाजा इसी से भी लगाया जा सकता है कि चलित वर्ष सहित 25 वर्षों में से मात्र पांच वर्ष ही 1000 मिमी से अधिक बारिश हुई है और 1250 मिमी से अधिक वर्षा दो बार हुई है। इनमें 2006 में 1400 मिली और 2019 में 2162 मिमी वर्षा हुई है। सबसे ज्यादा वर्षा का रिकार्ड भी 2019 में ही दर्ज हुआ था।

2019 में हुई सबसे ज्यादा 87 इंच बारिश...

वर्ष 2000 से अब तक के वर्षों में सबसे ज्यादा वर्षा 2019 में हुई थी। इस वर्ष जिले में 2162 मिमी अर्थात लगभग 87 इंच वर्षा हुई थी। इस दौरान लगातार बारिश से नदियों में क्षमता से अधिक पानी आने से घरों को भी खासा नुकसान हुआ था। कई सड़के व पुल भी

बह गए थे। खेतों में भी पानी भरने से खरीफ की फसलों में भारी नुकसान हुआ था। वर्ष 2000 के बाद पहली बार इतनी ज्यादा बरसात हुई थी। सबसे कम बारिश 2001 में महज 486.4 मिमी हुई थी।

अब तक 13 इंच, भानपुरा में 36 इंच...

मंदसौर जिले में अब तक औसत 13 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। भानपुरा में सबसे ज्यादा 36 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। रविवार को भी आसमान पर बादल छाए रहे। इसके बाद दोपहर में धूप खिल गई। इधर तीन दिन बारिश के कोई आसार नहीं है। मौसम विभाग के अनुसर 23 जुलाई के बाद फिर से बारिश का दौर शुरु होगा। प्रदेश की बात करें तो मध्यप्रदेश में 03 दिन भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। सिस्टम के कमजोर होने से प्रदेश में हल्की बूंदाबांदी का ही अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को ज्यादातर जिलों में आसमान साफ रहा। वहीं, 23 जुलाई से दोबारा तेज बारिश का दौर शुरू होगा।

प्रदेश में इस मानसूनी सीजन में औसत 20.5 इंच बारिश हो चुकी है। जबकि, अब तक 12.3 इंच पानी ही गिरना था यानी औसत 8.2 इंच बारिश ज्यादा हो चुकी है। प्रदेश के निवाडी, टीकमगढ ऐसे जिले हैं, जहां सामान्य बारिश का कोटा पूरा हो चुका है। वहीं, कई जिलों में 80 प्रतिशत से ज्यादा पानी गिर चुका है।

मानसून ट्रफ और डिप्रेशन एमपी से दूर...

मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया- अगले 24 घंटे में कहीं भी भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। 21-22 जुलाई को भी ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। 23 जुलाई को पूर्वी हिस्से के कुछ जिलों में तेज बारिश शुरू होगी। एक मानसून ट्रफ और डिप्रेशन एक्टिव जरूर है। लेकिन, वह एमपी से काफी दूर है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की जगह एक्टिविटी शुरू होगी, तब बारिश का दौर चलेगा।

जिले में कुछ इस तरह हुई औसत वर्षा...

वर्ष	कुल वर्षा स्थिति
2000	770.2 औसत से कम
2001	486.4 औसत से कम
2002	508.3 औसत से कम
2003	627.4 औसत से कम
2004	1143.1 औसत से अधिक
2005	657.2 औसत से कम
2006	1400.6 औसत से अधिक
2007	738.2 औसत से कम
2008	704.0 औसत से कम
2009	751.0 औसत से कम
2010	642.2 औसत से कम
2011	1070.9 औसत से अधिक
2012	898.4 औसत से अधिक
2013	1057.5 औसत से अधिक
2014	661.2 औसत से कम
2015	752.6 औसत से कम
2016	961.3 औसत से अधिक
2017	714.1 औसत से कम
2018	865.8 औसत से अधिक
2019	2162.7 औसत से अधिक
2020	600.3 औसत से कम
2021	998.1 औसत से अधिक
2022	874.4 औसत से अधिक
2023	750.4 औसत से कम
2024	896.2 औसत से अधिक

पिपलिया मंडी पुलिस ने बाइक चोर दबोचा, अदालत ने जैल भेजा

पिपलिया मंडी, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र में लगातार हो रही बाइक चोरी की घटनाओं के बीच पिपलिया पुलिस को बडी सफलता मिली है। पुलिस ने सतर्कता बरतते हुए एक शातिर बाइक चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी गई बाइक बरामद की है। आरोपी को रविवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेजने के आदेश दिए गए।

जानकारी के अनुसार दो दिन पूर्व कृषि उपज मंडी के समीप स्थित राजीव गांधी उद्यान के सामने से एक बाइक क्रमांक एमपी 42 एमई 5771 चोरी हो गई थी। बाइक मालिक सोहन पिता अम्बालाल चौहान, निवासी पोरवाल धर्मशाला, पिपलियामंडी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए चौकी प्रभारी धर्मेश यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कारवाई करते हुए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मुखबीर तंत्र को सक्रिय किया। जांच के दौरान सूचना मिली कि आरोपी काचरिया चन्द्रावत क्षेत्र में ट्रैक्टर चला रहा है। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मुकेश पिता शंभूलाल मीणा, निवासी अमरपुरा, थाना रामपुरा, जिला नीमच बताया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने बाइक चोरी की वारदात स्वीकार कर ली, जिसके बाद पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी गई बाइक बरामद की। बाद में आरोपी को नारायणगढ़ कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे मंदसौर जैल भेजने के आदेश दिए गए। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र में लगातार हो रही बाइक चोरी की वारदातों के बीच यह दूसरी गिरफ्तारी है, जिससे स्थानीय नागरिकों में पुलिस की तत्परता को लेकर संतोष का माहौल है। पुलिस का कहना है कि इस प्रकार के अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

कलेक्टर-एसी को आया पत्र

ई-अटेंडेंस का विरोध करने वाले अतिथि शिक्षकों पर होगी कार्रवाई

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में ई-अटेंडेंस का विरोध करने वाले अतिथि शिक्षकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है। संचालक लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल ने सभी जिलों के कलेक्टर और एसपी के नाम लिखे पत्र में ई-अटेंडेंस का विरोध करने वाले अतिथि शिक्षकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की मंशा जाहिर की है जिससे अतिथि शिक्षकों में हड़कंप मच गया है। हालांकि उक्त पत्र अभी एसपी, कलेक्टर तक नहीं पहुंचा है। लेकिन, यह पत्र शिक्षा विभाग के जिला स्तरीय वाट्सएप ग्रुपों, स्कूलों, शिक्षकों के ग्रुपों में वायरल हो गया है। जिससे अतिथि शिक्षकों में हड़कंप मच गया।

संचालक लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा सभी कलेक्टर, एसपी को लिखे पत्र में कहा गया है कि अतिथि शिक्षकों की शाला में उपस्थिति की मॉनीटरिंग के लिए हमारे शिक्षक एप से अटेंडेंस का निर्णय लिया है। यदि आपके जिले में कतिपय संगठनों या किसी भी व्यक्ति द्वारा शासकीय निर्देशों का पालन न करने के लिए अतिथि शिक्षकों को सम्मिलित कर विरोध प्रदर्शन किया जाता है, तो ऐसी गतिविधियों में सम्मिलित होने वाले व्यक्तियों/अतिथि शिक्षकों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने का कष्ट करें। साथ ही शिक्षकीय गरिमा एवं आचरण के विरुद्ध कृत्य करने वाले अतिथि शिक्षकों को चिन्हित कर, उनके विरुद्ध कार्रवाई हेतु प्रस्ताव जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से प्रेषित करें।

गांधीसागर अभ्यारण में टेंशन दे रहे तेन्दुए

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। गांधी सागर अभयारण्य में तेंदुओं की बढती संख्या अब चिंता का कारण बन गई है। शनिवार रात हिंगलाज रिसॉर्ट के पास एक तेंदुए का वीडियो राहगीरों द्वारा बनाया गया, जिसमें वह दीवार पर बैठा हुआ नजर आया और फिर जंगल की ओर चला गया। इस दृश्य ने स्थानीय लोगों और पर्यटकों में दहशत का माहौल बना दिया है।

रावली कुडी निवासी लक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि 17 जुलाई को एक आदिवासी व्यक्ति पर तेंदुए ने हमला किया था। इससे पहले गणेश चरण भी तेंदुए का शिकार बन चुके हैं। गुर्जर के अनुसार, उनके दो मवेशी भी तेंदुओं द्वारा मारे जा चुके हैं। लगातार हो रहे इन हमलों ने ग्रामीणों में भय का माहौल पैदा कर दिया है।

50 से अधिक तेंदुए, रात्रि में अधिक सक्रिय...

मंदसौर डीएफओ संजय रायखेरे ने जानकारी दी कि गांधी सागर अभयारण्य में तेंदुओं की संख्या 50 से अधिक हो चुकी है। ये तेंदुए आमतौर पर रात 12 बजे से सुबह 04 बजे के बीच सबसे ज्यादा सक्रिय रहते हैं। उन्होंने बताया कि चीता प्रोजेक्ट से पहले तेंदुओं का रेस्क्यू कर उन्हें अन्य सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया था। लेकिन, अभी भी कई तेन्दुए जंगल में मौजूद है। उन्होंने राहगीरों और पर्यटकों से सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि जंगल क्षेत्र में यात्रा करते समय वाहन से बाहर न निकलें और तेंदुओं के साथ किसी भी तरह की छेडछाड से बचें। सुरक्षा के लिहाज से वाहन के अंदर ही रहना आवश्यक है।

सवालों के घेरे में सुरक्षा व्यवस्था...

तेंदुओं की लगातार बढती उपस्थिति और हमलों के मामलों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली और स्थानीय सुरक्षा व्यवस्थाओं पर भी सवाल खडे कर दिए हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से रात्रिकालीन गश्त और निगरानी बढाने की मांग की है।

बदलाव: रक्षाबंधन पर भाइयों को समय से मिलेगी राखियां

रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट के लिए भी ग्राहकों के पास आएगा ओटीपी

डाकघरों में आज नहीं होगा सार्वजनिक लेन-देन

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भाई-बहन का अटूट प्रेम का पर्व रक्षाबंधन 09 अगस्त को आ रहा है। रक्षाबंधन से पूर्व डाकघरों में आईटी 2.0 एप्लीकेशन का रोलऑउट किया जा रहा है। कल 22 जुलाई मंगलवार से एक साथ पूरे प्रदेश के सभी डाकघरों में नया एपीटी एप्लीकेशन अपलोड करने डिजिटली परिवर्तन किया जाएगा। इसकी खासियत यह है कि ये डाक विभाग का खुद का सॉफ्टवेयर होगा। इससे बहनों की राखियां भाईयों को समय से मिलने के साथ दूसरे और कई नए बदलाव हो जाएंगे। इस नए सॉफ्टवेयर की लॉचिंग से पहले 21 जुलाई सोमवार को डाउन टाइम डे रखा गया है, यानी इस दिन डाकघरों में कोई सार्वजनिक लेन-देन नहीं किया जाएगा।

सर्वर की परेशानी से मिलेगी निजात...

डाक विभाग में एपीटी एप्लीकेशन की उन्नत तकनीक की शुरुआत के बाद

डाकघरों में आने वाली सर्वर की परेशानी से आमजन को निजात मिलेगी। इसके साथ ही रजिस्ट्री-स्पीड पोस्ट के लिए भी ग्राहकों के पास ओटीपी आने, डिलीवरी क्वालिटी में गुणवत्ता, तीव्र सेवा वितरण के साथ कर्मचारी फ्रेंडली भी होगा। बता दें कि इससे पूर्व ये तकनीक कर्नाटक में शुरु की जा चुकी है।

श्यामलाल धाकड़ की हत्याकांड में नया एंगल जुड़ा...

वायरल वीडियों में नजर आए महिला के साथ

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बीजेपी बूढा मंडल उपाध्यक्ष श्यामलाल धाकड की हत्या के दो दिन बाद एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे सोशल मीडिया पर चर्चित एक महिला के साथ नजर आ रहे हैं। यह वीडियो रविवार को वायरल हुआ, जिससे हत्याकांड में नया एंगल जुड गया है।

शुक्रवार सुबह श्यामलाल धाकड की धारदार हथियार से उनके ही घर में हत्या की गई थी। उनका शव दूसरी मंजिल पर खून से लथपथ हालत में मिला था। 48 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लगा है। लेकिन, अब वायरल वीडियो और कॉल डिटेल्स ने जांच की दिशा बदल दी है। पुलिस सूत्रों की मानें तो यह वायरल वीडियो इस हाई-प्रोफाइल मर्डर केस का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है।

सोशल मीडिया पर चर्चित हैं महिला...

वीडियो में दिख रही महिला सोशल मीडिया पर अपने बोल्ड डायलॉग्स और कैप्शन के लिए जानी जाती है। एक रील में उसने लिखा है— 'जिगर इतना रखती हूं लाल, कांड करके भी अंजाम की फिक्र नहीं करती।' वहीं, एक अन्य रील में उसने कहा— 'मेरे जैसी लडकी को हल्के में मत लेना, मैं सोचती गैंगस्टर की तरह हूं और बोलती वकीलों की तरह।' पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद ने बताया कि श्यामलाल के मोबाइल की कॉल डिटेल खंगाली जा रही है। एक नंबर से लगातार बातचीत के संकेत मिले हैं। एसडीओपी कीर्ति बघेल ने बताया कि महिला से पूछताछ की जाएगी और तकनीकी

जांच के आधार पर मामले की परतें खोली जा रही हैं।

कई एंगल से हो रही जांच...

हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस और साइबर सेल की कई टीमें सक्रिय हैं। एनडीपीएस एक्ट, मुखबिरी और अवैध संबंधों के तीन एंगल से मामले की पडताल जारी है।

आज खुलासा कर सकती हैं पुलिस...

श्यामलाल की हत्या को हाई प्रोफाइल मामले की तरह लिया गया। यही कारण हैं की पुलिस ने कई एंगल से मामले की जांच की हैं। माना जा रहा हैं कि पुलिस मामले की तह तक पहुंच गई हैं और आज मामले का खुलासा किया जा सकता हैं।

भूमिगत जल स्तर बढ़ाने का मामला...

जिला डार्क झोन में होने पर भी प्रशासन का नहीं है ध्यान..!

रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के नियम हवा में, पिछले वर्षों में एक बार भी नहीं चला अभियान

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भूमिगत जलस्तर को बढ़ाने के लिए बारिश के पानी को जमीन में उतारने के लिए सरकार ने रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अपनाने के नियम बनाए हैं। नियमों के मुताबिक प्रत्येक सरकारी कार्यालय और घरों में यह सिस्टम लगाया जाना अनिवार्य है। बावजूद इसके पूरे जिले में रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लगाने में आम जन ध्यान नहीं दे रहे हैं। जिला मुख्यालय की बात करें तो मंदसौर शहर में इन नियमों को हवा में उछाला जा रहा है। जबकि, मंदसौर जिला भूजलस्तर में गिरावट के चलते डार्क झोन की श्रेणी में है। मजे की बात तो यह है कि कई बड़े अफसरों और अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बंगलों में भी रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं लगाया गया है। ऐसे में आम जनता से इस सिस्टम का उपयोग कराना बेमानी लगता है।

इस समय बारिश का मौसम चल रहा है। लेकिन, मौसम में थोड़ी से धूप निकलते ही गरमी का कहर शुरु हो जाता है। इसके मद्देनजर कागजो में रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को भवनों की छतों पर लगाया जाना जरुरी कर दिया गया है। शहर हो या जिले में जहां कहीं भी नवीन निर्माण कार्य होना है, उसमें भी परमिशन तब ही मिलती है, जब संबंधित व्यक्ति इस बात को माने कि वह रूफ वॉटर हार्वेसिस्टंग सिस्टम लगाएगा। इसके बाद भी इस संबंध में न कोई जागरुक हो रहा है और न ही प्रशासन के नुमाइन्दे जागरुक करने की कोशिश कर रहे हैं।

एक बार भी नहीं चलाया अभियान- मंदसौर शहर और जिले में पिछले वर्षों में ऐसा कहीं देखने को नहीं मिलता है कि प्रशासन ने रूफ वाटर हार्वेस्टिग सिस्टम को लगाने में कोई अभियान चलाया हो। होली के त्यौहार पर जरुर अधिकारी व जागरुक संस्थाएं पानी बचाओ का संदेश देती आई है। जबकि, जिस तकनीक से जमीन में पानी संचय किया जा सकता है, उस तकनीक को अपनाने में न तो सामाजिक संस्थाएं जागरुक है और न ही वे जागरुक करने के प्रयास में है। शहर में एक सामाजिक संस्था ''अनुराग'' जरुर बीते सालो में इस दिशा में प्रयासरत रही है। लेकिन, सकारात्मक रिजल्ट नहीं आने पर पिछले कुछ समय से यह संस्था भी निष्क्रिय दिखाई दे रही है।

अधिकारियों के बंगलों पर भी नहीं है सिस्टम- बता दें कि प्रत्येक सरकारी कार्यालय में यह सिस्टम लगाना उन विभागों के जिला अधिकारियों का कर्तव्य है। लेकिन, वे अधिकारी सरकारी कार्यालयों में भी यह तकनीक अपनाने में निष्क्रिय हैं। और तो और अधिकारियों के बंगलों पर भी रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं लगाया गया है। ऐसे में पानी बचाने के लिए लगाए जाने वाले नारे और अधिकारियों का इस दिशा में कार्य करना केवल नौटंकी दिखाई देता है।

नपा लेती है राशि, नहीं होती जांच- बता दें कि घर या दुकान आदि की निर्माण अनुमति देते समय नपा रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टग लगाने के लिए शर्त रखती है। लोग शर्ते पूरी करने का वादा करते हैं तथा भवन आदि बनाते हैं। इसके लिए 12 या 14 हजार रूपए निर्माण अनुमति के साथ ही जमा कराए जाते है। लेकिन, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए कोई नपा कर्मी या इंजीनियर साईट पर जाकर नहीं देखता है। बाद में भी जांच नहीं की जाती है। इधर नियमानुसार यदि मकान, दुकान बनाने वाला जब रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का प्रमाणपत्र दे देता है तो नियमानुसार उसे नपा द्वारा जमा कराई गई राशि वापस कर दी जाती है। लेकिन, बीते वर्षो में कोई भी प्रमाणपत्र लेकर नपा नहीं पहुंचा। ऐसे में नपा के नुमाईंदो को चाहिए कि स्वयं मौके पर जाकर देखे, यदि सिस्टम नहीं लगा है तो जमा राशि से सिस्टम लगाना चाहिए।

मौसम दे रहा है साथ, नहीं तो पाताल में पहुंच जाएगा पानी- बता दें कि वर्ष 2019 में अच्छी बारिश हुई थी। रुक-रुक कर बारिश होने से पानी जमीन में पहुंचा। जाते-जाते भी बारिश होती रही। लेकिन, वर्ष 2020 व 21 से लेकर 23-24 तक में सामान्य बारिश ही हुई। इस कारण जिले में नलकूप खनन पर प्रतिबंध लगाया गया। यह प्रतिबंध प्रतिवर्ष

30 जून तक प्रभावी रहता है। बताते हैं कि वर्ष2019 में हुई बारिश का लाभ अब तक मिल रहा है। किन्तु जिस तरह से वर्तमान में गरमी पड़ रही हैं, उससे लग रहा है कि स्थिति बिगड़ सकती है। बता दें कि वर्ष 2002 के बाद वर्ष 2006 तक तो ऐसी स्थिति थी कि पानी के लिए त्राही-त्राही होने लगी थी। पानी के लिए लड़ाई झगड़े और एक-दो बार मर्डर तक हो गया था। वह तो उसके बाद से मौसम साथ दे रहा है, नहीं तो पानी पाताल में पहुंचने में देरी नहीं लगेगी। यदि पानी पाताल में पहुंच जाता है तो फिर अफसरों को रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम याद आएगा। बता दें कि वर्ष 2002 से 2008 के बीच रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने में अभियान भी चला था, जो समय के साथ बंद हो गया और यह अभियान मात्र फिसड्डी अभियान बन कर रह गया।

विचार-मंथन

भारत का साफ जवाब, धमकी नहीं चलेगी

इसमें कोई दोराय नहीं कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को खत्म करने के लिए सभी जरूरी विकल्पों पर काम होना चाहिए और खासतौर पर इसमें वैसे देशों को अपनी भूमिका का निर्वाह करना चाहिए, जो इसमें अपना कुछ प्रभाव रखते हैं। संभव है कि अमेरिका भी रूस-यूक्रेन युद्ध का अंत ही चाहता हो। मगर जिन देशों से इस युद्ध को खत्म कराने के लिए कुछ करने की उम्मीद की जा रही है, क्या धौंस या धमकी के जरिए उनसे ऐसा करा पाना मुमकिन है? पिछले कुछ समय से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सुविधा के मुताबिक और हित में कई देशों पर शुल्क लगाने या बढ़ाने के विकल्प को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में अब रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने को लेकर भी बेजा दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो के महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को भारत, चीन और ब्राजील को यह चेतावनी दी थी कि अगर वे रूस के साथ व्यापार करना जारी रखते हैं, तो उन पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इससे पहले ट्रंप ने भी यह कहा था कि अगर यूक्रेन को लेकर जल्दी ही शांति समझौता नहीं किया गया, तो रूस से सामान खरीदने वाले देशों पर सौ फीसद तक का शुल्क लगाया जाएगा। जाहिर है, यह बहुध्रुवीय विश्व में अन्य देशों को अपनी सुविधा और नीतियों के मुताबिक फैसले लेने की आजादी और संप्रभुता पर डाला जाने वाला एक दबाव है, जिसकी दिशा अमेरिका की इच्छा के हिसाब से संचालित करने की कोशिश की जा रही है। इसलिए भारत ने स्वाभाविक ही प्रतिबंध लगाने की धमकी के खिलाफ सख्त प्रतिक्रिया दी है। भारत ने गुरुवार को इस मामले में 'दोहरे मापदंडों' के प्रति

आगाह किया और जोर देकर कहा कि रूस से उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हितों और बाजार की गतिशीलता पर आधारित है। दरअसल, दिसंबर, 2022 में जब रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाया गया था, तब यूरोपीय संघ और अमेरिका ने यह उम्मीद की थी कि इस पाबंदी से रूस की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा और उसे यूक्रेन के साथ युद्ध को खत्म करने पर मजबूर किया जा सकेगा। मगर तब रूस से भारत और चीन ने तेल की खरीद जारी रखी और यही वजह है कि प्रतिबंध ज्यादा कारगर साबित नहीं हुए। सवाल है कि अगर नाटो और अमेरिका अन्य देशों के नीतिगत मामलों में इस स्तर पर जाकर दखल देना चाहते हैं, तो क्या यह प्रत्यक्ष रूप से दोहरे मापदंड नहीं हैं! राष्ट्रपति बनने के साथ ही ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को खत्म कराने के लिए बढ़-चढ़ कर दावे किए थे। मगर अब यह साफ है कि इस दिशा में ट्रंप की कोशिशों का कोई असर नहीं हुआ। उल्टे अमेरिका यूक्रेन को हथियार मुहैया करा रहा है। अब नाटो भारत, चीन और ब्राजील से रूस के राष्ट्रपति को फोन करके शांति वार्ता के लिए गंभीर होने को कह रहा है तो इसके क्या मायने हैं? भारत के पास अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं, उपलब्धता के सीमित विकल्प हैं और फिलहाल जो वैश्विक परिस्थितियां बनी हुई हैं, उसी के मुताबिक कदम उठाना होगा। यों भी एक संप्रभु देश अपनी जरूरतों के मुताबिक ही अपनी दिशा तय करता है और भारत ने यह साफ संदेश दे दिया है। इसके बावजूद अगर नाटो और अमेरिका की ओर से भारी शुल्क या फिर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी जाती है तो दरअसल यह टकराव और दबाव की वही नीति है, जिसे खत्म करने की वे इच्छा जता रहे हैं।

क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है?

ललित गर्ग

बिहार में एक बार फिर कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफ अपराधियों का आतंक, दिन-दहाड़े हत्याएं, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि 'सुशासन बाबू' के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तब्दील हो रहा है? क्योंकि व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला-बारूद की व्यापक उपलब्धता को जिम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतुके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिन्ताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून-व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, एक 60 वर्षीय महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है। बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वहीं एनडीए इन मुद्दों पर जवाबी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के 'जंगलराज' की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं है। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है।' हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार-बार हो रही हैं, यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा। पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं, आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है।। हाल ही में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुई हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या, बलात्कार, अपहरण, और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है। एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू-राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? बिहार में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक बाजीगरी में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिला है। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा 'जंगलराज' के तौर पर पेश किया। लेकिन, अब वही सवाल पलट कर उनकी ओर आ रहे हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिन्ता एवं चेतावनी का सबब बनना ही चाहिए। बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा, तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है, जबकि भाजपा और जदयू रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं और इन घटनाओं को योजनागत घटनाओं का नाम देकर राजद सरकार के समय की आपराधिक घटनाओं के साथ तुलना कर रहे हैं। मगर सूत्रों की माने तो पार्टी इस बात को लेकर तैयारी जरूर कर रही कि, यदि यह मुद्दा संसद के आगामी सत्र में विपक्ष उठाती है तो उस पर कैसे जवाब देना है? जिस बिहार के पूर्ववर्ती सरकारों के कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति को मुख्य मुद्दा बनाकर एनडीए सरकार सत्ता में आई थी अब यही मुद्दा विपक्ष के हाथ लग गया है। बिहार की जनता बदलाव चाहती है। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर ठोस कदम चाहिए।

दादी-नानी की कहानियां व लोरियां में छिपा सकारात्मक संदेश

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

पापा की परी या परा हो या दादी-नानी के नाती-पोते, दादी-नानी की कहानियां या लोरियां आज बीते जमाने की बात हो गई है। दादी-नानी की कहानियां व लोरियों में सकारात्मक संदेश छिपा होता था। यह कोई मनोरंजन का माध्यम ना होकर बच्चों के मानसिक, पारिवारिक व सामाजिक समझ और जिज्ञासु प्रवृति को बढ़ावा देती थी। बच्चों में क्यूरिओसिटी बढ़ाने के साथ ही सार्थक अंत होने से बच्चों को कोई ना कोई संदेश अवश्य मिलता था। यह कोई हमारे देश की ही बात नहीं थी अपितु समूचे विश्व में दादी-नानी की कहानियों व लोरियों से बच्चों को एकाग्रता, जिज्ञासु प्रवृति, सोच व कल्पना शक्ति को बढ़ावा देने के साथ ही संवेदनशीलता और संबंधों की अहमता को समझाने में सहायक होती थी। अब वैश्विक अध्ययनों से यह साफ हो गया है कि इसके नकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। हांलाकि यह जेनरेशन जेड यानी की 1996 से 2010 की पीढ़ी इस तथ्य को अभी समझ नहीं पा रही है पर वैश्विक अध्ययनों ने यह साफ कर दिया है कि हालात यही रहे तो आने वाली पीढ़ी से संवेदनशीलता और अच्छे-बुरे की बात करना कोई मायने नहीं रखेगी। दरअसल आज के बच्चों की दुनिया दादी-नानी की कहानियां या लोरियों के स्थान पर मोबाइल और टीवी स्क्रीन पर खुराफाती, हिंसात्मक, नकारात्मक, नित नए दुश्चक्र रचते और संबंधों को तार तार करते सिरियलों या इसी तरह के एपिसोड से दो चार हो रही है। आज के बच्चों में हिंसा, बदले की भावना, इच्छा, मिल बांटने के स्थान पर एकलखोरी और ना जाने कितनी ही नकारात्मकता मोबाइल और टीवी स्क्रीन पर चलने वाले सिरियलों, एपिसोड़ों और प्रसारित होने वाले गेम्स के माध्यम से परोसी जा रही है। इसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं। बच्चों में रेवेन्ज की भावना कूट कूट कर भरती जा रही है तो सहनशक्ति तो कोई मायने ही नहीं रखती। रिश्ते तार तार हो रहे हैं यह एक अन्य बात है। जेन जेड़ पीढ़ी की मानसिकता का असर आने वाली पीढ़ी पर दिखाई देने लगी है। जेन जेड बिना काम की प्रतिस्पर्धा में तो आगे हैं पर सामाजिक समरसता की भावना से दूर होती जा रही है। अपने में सिमटती यह पीढ़ी देश और समाज को सकारात्मकता क्या दे पायेगी यह सवालों के घेरे में आने लगा है। दरअसल दादी-नानी की कहानियां भले ही उनमें से कुछ कपोल कल्पना के आधार पर हो या फिर राजारानी की कहानियां हो बच्चों के कोमल मन को एक संदेष देती थी। इसके साथ ही उस जमाने में बच्चों को पढ़ने-पढ़ाने की आदत ड़ाली जाती थी। लाइब्रेरी का कांसेप्ट तो आज बदल ही चुका है। आज लाईब्रेरी का अर्थ किराये के स्थान पर बनी केबिननुमा दड़बे में अपने घर से ले जाई गई किताबों को रटने तक सीमित हो गया है। मौहल्लों में पांच-सात घरों की दूरी पर ही इस तरह की लाइब्रेरी मिल जाएगी। जबकि एक जमाने में लाइब्रेरी के मायने ज्ञानवर्द्धक पुस्तकें, समाचार पत्र-पत्रिकाएं आदि को वहां बैठकर पढ़ना व आवश्यकता होने पर लाइब्रेरी की सदस्यता प्राप्त कर पुस्तक आदि घर लाकर पढ़ना होता था। आज तो पढ़ने-पढ़ाने की आदत ही समाप्त होती जा रही है। एक समय था जब वार्षिक परीक्षाओं के बाद बारी बारी से दादी-नानी के घर धमाचौकड़ी होती थी। मजे की बात की सभी मिजाज के हम-उम्र बच्चें होने से आपसी तालमेल की शिक्षा भी मिल जाती थी। फिर रात को दादी-नानी के साथ सोने और सोने से पहले कहानियां सुनने का सिलसिला चलता था। इससे कोमल मन को अलग तरह का ही संदेश मिलता था। चंदामामा, चंपक सहित बहुत सी बच्चों की पत्रिकाएं घर में होना और बच्चों के पास होना गौरव की बात माना जाता था। आपस में बांट कर बारी बारी से पढ़ने की होड़ लगती थी। खैर यह बीते जमाने की बात हो गई है। अब तो गुगल गुरु ने लगभग सभी की पढ़ने पढ़ाने की आदत को ही बदल कर रख दिया है। डिजिटल युग के इस दौर में सोशल मीडिया के माध्यम समूचे समाज को बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं। शहरीकरण के साथ ही संयुक्त परिवार का स्थान एकल परिवार ने ले लिया है तो समय की कमी, अंधी प्रतिस्पर्धा, माता-पिता व परिजनों का लिखने पढ़ने से परहेज, बच्चों को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में ही जुटा देने और होमवर्क और ट्यूशन कल्चर पढ़ाई की दशा और दिशा को ही बदल दिया है।

वीर मातादीन अम्बेडकर सेना के जिलाध्यक्ष महेन्द्र तंवर नियुक्त

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। वीर मातादीन अम्बेडकर सेना की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें सर्वसम्मति से महेन्द्र तंवर को संगठन के नये जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया। संगठन के गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने हेतु संगठन के पदाधिकारियों द्वारा नये जिला अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव विनोद छपरी एवं भेरुलाल सतीश खैरालिया सहित सभी पदाधिकारियों द्वारा रखा गया जिसकी अनुशंसा संगठन के संरक्षक पवन दलोर, चेतन गन्छेड, जगदीश कोडावत, मंगल कोटीयाना, विजेंद्र चनाल, मुकेश हंस, मनोहर फतरोड, रणजीत कल्याणे द्वारा की गई। जिसका अनुमोदन संगठन के संस्थापक विनोद खेरालिया द्वारा की गई। जिस पर सर्वसम्मति से विनोद खैरालिया ने वीर मातादीन अम्बेडकर सेना के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष के रूप में महेंद्र तंवर को नियुक्त किया गया जिनका पदभार ग्रहण समारोह डॉ. भीम राव अम्बेडकर को माल्यार्पण कर के किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सकल वाल्मीकि समाज के अध्यक्ष श्री राजाराम तंवर, अपाक्स संगठन महिला सफाई प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष हेमा कन्डारे, नगर अध्यक्ष जया डागर, कला सोनवाल, नीता तंवर, गुड्डी कोटीयाना, गोलू चनाल, विक्रम तंवर ने नवीन जिलाध्यक्ष महेन्द्र तंवर को पुष्पमाला पहनाकर बधाई दी एवं शुभकामनाएं दी।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5663

	9	5			3	2	1	
7						5		9
2	8		6	9				4
							7	
			2	1	8			
	5							
1				4	2		8	5
9		8						7
	4	6	3			1	9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5662

3	7	9	4	5	2	8	6	1
1	8	6	3	7	9	5	4	2
4	2	5	6	8	1	9	3	7
9	1	2	7	4	5	6	8	3
6	4	3	2	1	8	7	5	9
8	5	7	9	3	6	1	2	4
7	3	8	1	6	4	2	9	5
2	6	4	5	9	7	3	1	8
5	9	1	8	2	3	4	7	6

वर्ग पहेली 5663

संकेत: बाएं से दाएं

ऊपर से नीचे

वर्ग पहेली 5662 का हल

थाना अयोध्यानगर पुलिस की गांजा तस्करों पर लगातार कार्यवाही

रायसेन निवासी गांजा तस्कर गिरफ्तार

भोपाल, नप्र। थाना अयोध्यानगर पुलिस की गांजा तस्करों पर लगातार कार्यवाही। रायसेन निवासी गांजा तस्कर गिरफ्तार। आरोपी से 5.2 किलों गांजा एवं 01 मो.सा.स्प्लेंडर जप्त ।उडिसा से लाकर भोपाल, रायसेन, विदिशा में खपाते थे गांजा । सिलवानी रायसेन निवासी आरोपी, बिलखिरिया भोपाल में रहकर कर रहा था गांजा तस्करी। आरोपी आटो खरीदने और मकान बनाने के लिये जल्दी ज्यादा पैसा कमाने हेतु कर रहा था गांजा तस्करी।

थाना अयोध्या नगर पुलिस टीम द्वारा मामूर मुखबिरो से सूचना पर अरहेडी पुलिया के पास गांजा तस्कर सुरेन्द्र उर्फ छोटू जाटव को पकडा जिसके कब्जे से 5.211 किलोग्राम गांजा व

एक मोटरसाइकिल स्प्लेंडर कुल कीमती करीबन 1.75 लाख रुपये जप्त किया गया। आरोपी ने पुछताछ में नाम पता. सुरेन्द्र उर्फ छोटू जाटव पुत्र रम्मूलाल जाटव उम्र 21 साल निवासी ग्राम घाटखेडी, सिलवानी जिला रायसेन, वर्तमान पता आदमपुर छावनी पठार थाना बिलखिरिया भोपाल बताया । पुछताछ में अन्य आरोपियों से आगे की ट्रेल के बारे में जानकारी ली गई ।आरोपी ने बताया उडीसा से गांजा खरीद लाकर और भोपाल विदिशा एवं रायसेन में बेचता था । आरोपी किराये का आटो चलाता है, स्वयं का आटो खरीदने और पक्का मकान बनाने के लिये जल्दी ज्यादा पैसा कमाने हेतु गांजा तस्करी का काम शुरू करना बताया ।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी महेश लिल्हारे, उनि. सुदील देशमुख, प्रआर अमित व्यास, प्रआर बृजेश सिंह, प्रआर रुपेश जादौन, प्रआर दिनेश मिश्रा, प्र.आर. कल्याण सिंह, आर हतेन्द्र, आर. सतीश यादव, आर. राजेश, आर. अम्बरीश तिवारी, म.आर. आरजू तिवारी की सराहनीय भूमिका रही ।

आबकारी विभाग ने कोकता ट्रांसपोर्ट नगर के पास से ब्राण्डेड शराब की जप्त

भोपाल, नप्र। कलेक्टर भोपाल कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन पर सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र धाकड़ के मार्गदर्शन नियंत्रण कक्ष प्रभारी आर.जी.भदौरिया के नेतृत्व में भोपाल जिले की आबकारी विभाग की टीम ने शनिवार को कोकता बाईपास रोड पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए अवैध मदिरा संग्रहण का प्रकरण दर्ज किया। टीम ने शनिवार को मदिरा के अवैध संग्रहण एवं विक्रय की सूचना पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए क्रोमा वेयरहाउस के

पास कोकता बाईपास रोड़ भोपाल से आरोपी रत्नेश कुमार मिश्रा पिता रमेश कुमार निवासी आस्था विहार अवधपुरी भोपाल के कब्जे से हुंडई कार ईआन क्रमांक MP04CJ 3988 में 3 पेटी रॉयल स्टेग,2 पेटी ऑफिसर चॉइस 2 पेटी रॉयल चेलेंज, 1 पेटी आयकोनिक व्हाइट अवैध ब्राडेड शराब जप्त की। इस प्रकार कुल 08 पेटी विभिन्न ब्रांडकी अवैध विदेशी मदिरा के बरामद की गयी। कुल 72 बल्क लीटर अवैध विदेशी मदिरा बरामद कर आरोपी रत्नेश आत्मज रमेश कुमार मिश्रा के विरुद्ध मप्र आबकारी अधिनियम 1915की धारा 34(1)क व 34(2)के अंतर्गत प्रकरण क्रायम किया गया7 प्रकरण गैर जमानतीय होने से आरोपी को जेल दाखिल किया गया7 अवैध जब्त शराब और वाहन की अनुमानित कीमत लगभग 603000 रुपये है । उक्त कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक चंदर सिंह द्वारा की गई। कार्यवाही के दौरान संपूर्ण मैदानी जिला आबकारी अमला मौजूद रहा।

जन्माष्टमी और सामूहिक विवाह को लेकर बैठक संपन्न

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्री कृष्ण ग्वाला समाज मंदसौर के द्वारा जन्माष्टमी के कार्यक्रम एवं सामूहिक विवाह को लेकर नगर पालिका सभागार में बैठक आयोजित की गई इस बैठक में सभी पंचों के द्वारा निर्णय लिया गया कि दिनांक 16 अगस्त 2025 को जन्माष्टमी का उत्सव बडी धूमधाम से बनाया जाएगा जन्माष्टमी की समस्त व्यवस्थाएं युवा ग्वाला समाज द्वारा वरिष्ठें की देखरेख में की जाएगी। सामूहिक विवाह 23 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा उसके लिए आगे बैठक करके और विस्तृत योजना बनाई जाएगी इस अवसर पर समाज के पटेल प्यारेलाल बानियाँ ,पटेल मुन्नालाल बानिया, समाज के वरिष्ठजन एवं युवा साथी उपस्थित थे। जानकारी गोविन्द सुरा द्वारा दी गई।

किसानों की समृद्धि के लिए योजनाएं जरूरी-क्षेत्रीय प्रबंधक

मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा कनघट्टी द्वारा किसान सम्मेलन सम्पन्न

पिपलियामंडी, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शासन द्वारा चलाए जा रहे किसान माह के अंतर्गत मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा कनघट्टी द्वारा ग्राम कनघट्टी में किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंदसौर क्षेत्रीय प्रबंधक धर्मप्रतापसिंह राठौड ने करते हुए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका लाभ लेने के लिए किसानों को जागरूक होना जरूरी है। उन्होंने बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से कृषि क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों पर प्रकाश डाला और किसानों को वित्तीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। आयोजन के माध्यम से किसानों को योजना की जानकारी देने के साथ ही उनके सवालों के जवाब भी दिए गए। विशेष अतिथि के रूप में जनपद सदस्य पंकज पाटीदार उपस्थित रहे। इस अवसर पर बडी संख्या में ग्रामवासी किसान मौजूद रहे, जिनमें जगदीश

पाटीदार, गोपाल सिंह नलिखेदा, जगदीश कुमावत, गोपाल सुथार (सेमली), सत्यनारायण पाटीदार, दशरथ कुमावत, गोविंद कुमावत, मनोहरसिंह राजपूत, विनोद पाटीदार, राजमल नागरिया, विजय सुथार, अंबालाल गायरी, भंवरसिंह देवडा आदि प्रमुख रहे। कार्यक्रम का संचालन विजय आजाद ने किया तथा आभार प्रदर्शन शाखा प्रबंधक दीपक मीणा द्वारा किया गया।

भक्ति देना सिखाती है लेना नहीं-साध्वी सत्यासिद्धागिरी

कलश यात्रा के साथ हुआ शिव महापुराण कथा एवं रुद्राभिषेक का शंखनाद

नीमच, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भक्ति और सत्संग करने से जो संतोष मिलता है वह संसार में और कहीं नहीं मिलता है। भक्ति और सत्संग सब कुछ दिला सकते हैं। भक्ति सत्संग के माध्यम से मुक्ति का मार्ग मिलता है। सत्संग और भक्ति देना सिखाती है लेना नहीं। बिना सत्संग के विवेक नहीं मिलता है।यह बात परम पूज्य दीदी मां ऋतंभरा जी की शिष्या पूज्य आचार्य सुश्री साध्वी सत्या सिद्धा गिरी जी महाराज साहब ने कहीं।वे ओम शिव भक्त मंडल , अग्रवाल विकास समिति एवं अन्नपूर्णा सेवा न्यास नीमच के संयुक्त तत्वाधान में क्षेत्र की सुख समृद्धि एवं व विश्व शांति की कामना से गोमाबाई रोड स्थित सीएसवी अग्रोहा भवन में आयोजित सात दिवसीय शिव महापुराण कथा एवं रुद्राभिषेक कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए बोल रही थी। उन्होंने कहा कि हरि अनंत हरि कथा अनंत होती है। सत्संग और भगवान की भक्ति करना बहुत कठिन होता है पुण्य कर्म के फल से ही इसका सौभाग्य मिलता है। दूसरों की कमी निकालना सरल है लेकिन भक्ति सेवा करना बहुत कठिन होता है। तुलसीदास जी कहते हैं कि संत समागम एवं सत्संग भी बहुत दुर्लभ होता है। इसलिए हमें भक्ति सत्संग से जुडना चाहिए। भुखे को भोजन कराना इससे बडा कोई धर्म नहीं होता है अन्नपूर्णा सेवा

न्यास यह सेवा कार्य कर रहा है साधुवाद का पात्र है इसमें दिखावा नहीं होता है। परमात्मा में विश्वास रखने वाला ही दिन दु:खियों की सेवा कर पाता है। सावन मास में शिव पुराण कथा को व्रत उपवास आदि के श्रवण करें तो उसका धर्म के लाभ अधिक मिलता है।

साध्वी ऋतंभरा जी के वात्सल्य धाम में निराश्रित बालिकाओं को गोद लेकर उनके माता पिता का स्नेह व वेदांत के प्रखंड विद्वान परम पूज्य (परमानंद)दादा गुरु की गोत्र प्रदान की जाती और शिक्षा के साथ संस्कार भी सिखाया जाता है वहां से शिक्षित और संस्कारीत कई बालिकाएं देश के अनेक उच्च पदों पर अधिकारियों के पद पर सेवारत है अभी तक 33 कन्याओं का विवाह किया जा चुका है 50 लाख प्रत्येक विवाह में खर्च किया जाता है। वात्सल्य धाम का सेवा कार्य ऐसा महान कार्य है ये लोक भी सुधर जाता है और परलोक भी सुधर जाता है। वात्सल्य धाम सेवा कार्यों से सभी को जुडना चाहिए।शिव पुराण की कथा भगवान शिव ने स्वयं सनकादि ऋषियों को सुनाई है। शिव महापुराण के पुण्य की बराबरी कोई नहीं कर सकता है। शिव महापुराण कथा होती है वह स्थान तीर्थ हो जाता है। शिव महापुराण कथा में जब मातृशक्ति कलश धारण करती है तो ब्रह्मा विष्णु महेश का तेज चमकता है।शिव महापुराण कथा श्रवण करने से रुद्र की कृपा प्राप्त हो जाती है। स्वार्थी लालची कामी क्रोधी व्यक्ति को शिव महापुराण कथा का पुण्य कर्म धर्म लाभ नहीं मिलता है। शिव महापुराण हृदय में विराजमान करने से पापी का मन पवित्र हो जाता है। जन्म से हर व्यक्ति शुद्र होता है अपने कर्मों से व्यक्ति ब्राह्मण बनता है। तीर्थ दर्शन करें या ना करें ।माता-पिता को ही भगवान मानकर स्मरण करना चाहिए भगवान जैसा ही फल मिलता है। माता-पिता की सेवा से अष्टसिद्धि नव निधि प्राप्त होती है। 20 से 26 जुलाई तक प्रतिदिन दोपहर 2 से 5 बजे तक तथा सुबह 9 से 11 बजे तक रुद्राभिषेक का आयोजन विद्वान आचार्य पंडितों के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया जिसमें 24 से अधिक दंपति युगल ने बैठकर यज्ञ में आहुतियां देकर आशीर्वाद ग्रहण किया। इस अवसर पर संरक्षक राकेश जैन पप्पू, ओम शिव भक्त मंडल नीमच के अध्यक्ष शिवनारायण गर्ग, राम गौड बोले,कोषाध्यक्ष प्रकाश मंडवारिया सचिव छाया वीरेंद्र जायसवाल, संयोजक प्रहलाद राय गर्ग दडोली वाला, अन्नपूर्णा सेवा न्यास नीमच , अग्रवाल विकास समिति के गोपाल गर्ग ने सभी धर्म प्रेमी श्रद्धालु भक्तों से आह्वान किया है कि समय पर उपस्थित होकर शिव पुराण की ज्ञान गंगा का धर्म लाभ पुण्य ग्रहण करें।

श्री बड़केश्वर महादेव मंदिर से हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ निकली भव्य कावड़ यात्रा

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जगतपुरा स्थित प्रसिद्ध श्री बडकेश्वर महादेव मंदिर समिति द्वारा रविवार, 20 जुलाई को प्रथम बार भव्य कावड यात्रा निकाली गई। कावड यात्रा में सम्मिलित श्रद्धालुओं ने बडकेश्वर महादेव मंदिर परिसर से जल लेकर बैण्ड बाजों, व ढोल ढमाकों के साथ कावड निकली जो श्री ब्रह्मणेश्वर महादेव मंदिर पहुंची जहां भोलेनाथ को जल अर्पित किया।

उसके पश्चात् कावड यात्रा शिवना नदी तट पर पहुंची जहां से कावड में मॉ शिवना का जल भरकर पुन: वीर सावरकर पुलिया होते हुए जगतपुरा स्थित श्री बडकेश्वर महादेव मंदिर पहुंची जहां सभी ने भगवान महादेव का जलाभिषेक कर सभी की सुख समृद्धि की कामना की। कावड यात्रा में सम्मिलित युवाओं व मातृशक्ति ने कावड यात्रा में भक्ति गीतों पर नृत्य किया व हर-हर महादेव का उद्घोष किया। बडकेश्वर महादेव मंदिर पर श्रद्धालुओं ने महाआरती की उसके पश्चात् महाप्रसादी का आयोजन किया गया। कावड यात्रा में विधायक विपिन जैन, नपा सभापति दीपमाला मकवाना, भाजपा मण्डल अध्यक्ष विनोद डगवार, भाजपा नेता हिम्मत डांगी, रामेश्वर मकवाना, भानुप्रतापसिंह सिसौदिया, अजय आसेरी, मंदिर समिति के सुनील बंजारिया, पिंकेश भाटी, रमेश लक्षकार, कैलाश पाठक, जितेश पाठक, कैलाश नावेल्टी, मुकेश राठौर, दिनेश मालीवाल, कमलेश लक्षकार, सत्यनारायण परमार, अनिल राठौर, मदनलाल परमार, रामेश्वर पंवार, मनीष भण्डारी, मातृशक्ति सुनीता भण्डारी, माया लक्षकार, नेहा भाटी, सपना परमार, रानी राठौर सहित बडी संख्या में श्रद्धालुजन शामिल हुए। आभार सुनील बंजारिया ने माना।

विद्यार्थियों को नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर वन टाईम रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला संयोजक, आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि भारत सरकार के निर्देश अनुसार जनजातीय विद्यार्थियों को नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन किये जाने के संबंध में कक्षा 9वीं से महाविद्यालय स्तर तक अध्ययनरत् जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों (आय-सीमा राशि रूपये 2.50 लाख से कम) को नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर वन टाईम रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। विद्यार्थियों द्वारा एक बार नबर प्राप्त कर लिये जाने के पश्चात् भविष्य मे भी आगामी कक्षाओं में इसी नंबर के आधार पर छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकेगा जिसके लिये पृथक से पुन: की आवश्यकता नहीं होगी। थश जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को 30 जुलाई 2025 से पूर्व कराना अनिवार्य होगा। वर्ष 2025-26 मे एमपीटॉस पोर्टल पर छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करते समय नंबर दिया जाना अनिवार्य है।

उजमनी मनाई, भगवान को भोग लगाया

नगरी, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। रविवार को नगर नगरी में उजमनी मनाए गई। नगर वासियों ने घरों से बाहर खेतों कुओ पर जाकर दाल बाटी बनाई और भोग लगाकर भगवान इंद्रदेव से अच्छी बारिश की कामना की नगर में उजमनी से पूर्व सूचना के चलते व्यापारियों समेत हर वर्ग के लोगों ने कामकाज बंद रखा, तथा पूजा अर्चना कर कुए लंबा लब होने एवं खूब उत्पादन होने की कमाने की , अभी तक बारिश बहुत कम हुई है कुंए अभी भी खाली है किसानों का भविष्य अभी भी अंधर में है।

खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय फर्स्ट रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता में मंदसौर जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन मंदसौर के ग्यारह खिलाडी ने भाग लिया।

यह प्रतियोगिता 18से 20 जुलाई तक इंदौर में आयोजित हुई। जिसमें पुरुष वर्ग में श्याम गहलोत, अनिकेत आसवानी, तनिष्क जैन, सुयश पोरवाल यूथवर्ग 19 वर्ष, रौनक कुमावत यूथ19, 17, वर्ग जूनियर, आरव गहलोत अनन्य गहलोत सब जूनियर वर्ग 15वर्ष, गर्वित

भट्ड आयु वर्ग 13,15,17वर्ष, हर्षिता सिसोदिया यूथ वर्ग 19वर्ष, कशिका वेद आयुवर्ग 13,15वर्ष और मिशिका कुमावत आयु वर्ग 13 वर्ग में भाग लिया। इन सभी खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में उत्कृष्टप्रदर्शन किया। खिलाडियों के इस प्रतियोगिता में भाग लेने और श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर मंदसौर जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष पिंकेश चेलावत, सचिव त्रिभुवन कविश्वर, अभिषेक सेठिया, आशीष रेटा, जितेंद्र बालचंदानी, अनूप पोरवाल, मनीष पोरवाल, आशीष तरवेचा, कैलाश शर्मा, सुनील जैन, अली अजगर, अजय प्रधान, आशुतोष कवीश्वर, रजत जैन, अथर्व पोरवाल आदि ने बधाई दी है यह जानकारी टेबल टेनिस एसोसिएशन के सचिव त्रिभुवन कवीश्वर ने दी है।

दशपुर रंगमंच ने प्रसिद्ध कवि व गीतकार नीरज की पुण्यतिथि पर स्वरांजलि सम्पन्न

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नगर की सांस्कृतिक संस्था दशपुर रंगमंच द्वारा मशहूर कवि, लेखक व गीतकार गोपालदास नीरज की पुण्यतिथि पर एक स्वरांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ आबिद भाई ने प्रस्तुत किया एक हँसी शाम को दिल मेरा खो गया गया। श्याम गुप्ता ने सुनाया लिखे जो खत तुझे वो तेरी याद में हजारों रंग के नजारे बन गए सुनाया। लोकेन्द्र पाण्डेय ने प्रसिद्ध गीत गाया ए भाई ज़रा देख के चलो, आगे ही नहीं पीछे भी को प्रस्तुत किया। सतीश सोनी ने गीत चूडी नहीं यह मेरा दिल है सुनाया। अभय मेहता ने माहौल को सजाते हुए कहता है जोकर सारा जमाना आधी हकीकत आधा फसाना सदाबहार गीत को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के संचालन अभय मेहता द्वारा नीरज जी के जीवन को साझा करते हुए बताया गया कि नीरज जी एक प्रसिद्ध भारतीय कवि और गीतकार थे जिन्होंने कवि सम्मेलनों में अपनी लोकप्रियता से प्रसिद्धि पाई, और बाद में फिल्मों के लिए गीत लिखे। उन्हें तीन बार फिल्मफेयर पुरस्कारों के लिए नामांकित किया गया, तथा उन्हें भारत सरकार द्वारा 1991 में पद्मश्री और 2007 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। अंत में ललिता मेहता ने आभार व्यक्त किया।

जैसा खाएंगे अन्न-वैसा होगा मन और तैसा होगा तन-डा.बुंदीवाल

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। लायंस क्लब मंदसौर के तत्वावधान में पमनानी हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर के सौजन्य से पेट रोगों के लिये आयोजित विशाल शिविर में अपोलो हॉस्पिटल इंदौर के प्रसिद्ध पेट रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित बुंदीवाल ने कहा कि आज कल खानपान बहुत नये दौर का हो गया है। मैदा से बनी खाने की वस्तुएं तथा पाश्चात्य की नकल कर खाने की वस्तुएं हम दैनिक जीवन में उपयोग करते है, इसलिये जैसा खाएंगे अन्न वैसा होगा मन, तैसा होगा तन, जिसके कारण हम स्वयं ही रोग पैदा कर रहे है। अत: पाश्चात्य भोजन को तिलांजलि देना चाहिये।

डॉ. बुंदीवाल ने कहा कि आजकल हम परिश्रम नहीं करते, यांत्रिक

व्यवस्था पर निर्भर हो गये और पेस्टीसाइड के कारण कई रोगों और कैंसर जैसी भीषण बीमारी को जन्म देते है। तम्बाकू और सिगरेट का सेवन भी यकृत के लिये हानिकारक है। शक्कर एवं नमक का सेवन भी सूक्ष्म रूप से करना चाहिये तथा अच्छी नींद लेना आवश्यक है तभी हम स्वस्थ रह पायेंगे। इस अवसर पर पमनानी हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ. सुरेश पमनानी ने कहा कि डॉ. बुंदीवाल इंदौर में सेवाएं रहे है परन्तु ये प्रतापगढ के रहने वाले है। इनका लगाव मालवा क्षेत्र से है इसलिये अपनी सेवाएं मानवीयता के साथ दे रहे है। सहज सरल होकर आर्थिकता की दौड में नहीं है।

जिला स्वर्णकार समाज की बैठक नीलकंठ महादेव मंदिर पर सम्पन्न

नीमच, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला स्वर्णकार समाज नीमच की एक बैठक नीलकंठ महादेव मंदिर परिसर में आयोजित की जिसमे जिले के सभी स्थानों से स्वर्णकार समाज के लोगों ने भाग लिया, जिसमे सर्वानुमति से नरेंद्र जी सोलीवाल जावद वाले को जिला अध्यक्ष मनोनित किया गया। वर्तमान जिला अध्यक्ष राधेश्याम जी सोनी ने माला पहनाकर जिला अध्यक्ष का प्रभार दिया,पूरी कार्यकारणी का गठन सर्वानुमति से किया जाएगा। आज के बैठक का संचालन जिला सचिव राजेश कुमार वर्मा ने किया,आभार कोषाध्यक्ष फकीर चंद जी सोनी ने माना,इस अवसर पर सभी समाजजनों, रमेश जी सोनी, नरेंद्र जी सोनी,जितेंद्र जी सोनी, पृथ्वी सिंह जी सोनी,यशवंत जी सोनी और भी सभी समाज जन ने बधाई दी।

एसआरएम अस्पताल ही क्यों था टॉरगेट पर..?

न सरकार की सुन रहे न कोर्ट की, कई मामले ठंडे बस्ते में

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बेसमेंट, जर्जर मकान, आवारा पशु, फायर सेफ्टी ऑडिट जैसे कई मामले हैं, जिसमें सरकार ने नगर पालिका को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। इसके अलावा हाईकोर्ट भी कई मामलों में कार्रवाई के लिए निर्देशित कर चुकी है। लेकिन, इसके बाद भी जिम्मेदारों पर जूं तक नहीं रेंग रही। किन्तु, नई आबादी स्थित श्री राम मोहन हॉस्पिटल पर नोटिस की मुहलत से पहले आनन फानन में कार्रवाई अभी भी चर्चाओं में है। खैर एमओएस का उल्लंघन और लोगों को हो रही परेशानी से कार्रवाई पहले ही कर देना चाहिए थी। लेकिन, हर बार अभयदान के बाद इस बार आनन फानन में कार्रवाई होना, चर्चाओं का विषय बना हुआ है। इसका कारण है कि अन्य कई मामले हैं, जिसमें नगरपालिका के जिम्मेदारों को संज्ञान लेने और कार्रवाई का समय नहीं मिल पा रहा।

नहीं दिखाई दे रहे बेसमेंट...

कुछ माह पहले नई दिल्ली की घटना के बाद कार्रवाई के निर्देश प्रदेशभर में जारी हुए। नीमच में बेसमेंट सील किए तो रतलाम में भी कारवाई हुई। मंदसौर जिले में कलेक्टर ने दबाव अधिक बनाया तो सर्वे कर 71 बेसमेंट ढूंढेगये, जिनमें सिर्फ 12 के पास अनुमति मिली। कोचिंग से लेकर लॉज सहित व्यवसायीक गतिविधियां अवैध बेसमेंट में सामने आई। लेकिन, कार्रवाई के नाम पर सिर्फ नोटिस ही दिए गए। अब तक एक भी बेसमेंट शहर में बंद नहीं कराया गया। जिले के अन्य निकायों में भी बेसमेंट है पर वहां तो सर्वे तक नहीं हुआ।

फायर सेफ्टी ऑडिट भी नहीं हुआ...

कुछ माह पहले गुजरात सहित अन्य जगहों पर हुई घटनाओं के बाद फायर सेफ्टी व इसके ऑडिट के लिए निर्देश मिले। नपा ने इसका भी सर्वे किया तो पूरे शहर में होटल, लॉज, धर्मशाला से लेकर निजी नर्सिंग होम सहित बड़े अस्पताल और बहुमंजिला इमारतों तक में फायर सेफ्टी सिस्टम नहीं था। जहां है वहां ऑडिट नहीं मिला। बावजूद आगजनी जैसी घटनाओं पर गंभीरता किसी ने नहीं दिखाई और कार्रवाई के नाम पर सिर्फ नोटिस ही दिए गए। बस नोटिस तक

कार्रवाई सीमित रह गई।

आवारा गौवंश पर भी नहीं हुई कार्रवाई...

सड़को पर घुमने वाले गोवंशों को पकड़ने का सरकार ने आदेश दिया। कलेक्टर ने भी निकाय को इस पर कार्रवाई के लिए कहा। लेकिन, आज भी सड़को पर गोवंश घुम रहे है। निकाय अब तक न तो पशुपालको पर सख्ती कर पाई है और न हीं गोवंशों को पकड पाई है। समूचे जिले में गोवंशों की समस्या विकराल हो रही है। बावजूद प्रशासन व निकायों के पास इसके स्थायी समाधान के लिए कोई प्लानिंग नहीं है। कुछ गोवंशों को पकडकर रस्म अदायगी की जा रही है।

कभी भी गिरने को तैयार जर्जर मकान...

बारिश से पहले तत्कालीन कलेक्टर ने जर्जर मकानों को लेकर निर्देश दिए थे। इस बार भी यह निर्देश कागजो पर चले। लेकिन, हर बार की तरह इस बार भी नोटिस-नोटिस का खेल चला। शहर से लेकर पूरे जिले में अनेक जगह जर्जर मकान है। लेकिन, इन पर कार्रवाई के नाम पर नपा ने एक दो जगह औपचारिकता निभाई। बाकी जगह सिर्फ नोटिस देने का काम किया।

आमजन व सभी श्रमदानियों के सहयोग से अब शिवना साफ और स्वच्छ नजर आ रही है-विधायक

शिवना शुद्धिकरण के 54 वें दिन श्रमदानियों ने नदी किनारे झाड़ियां साफ कर 3 ट्राली गंदगी हटाई

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शिवना नदी को स्वच्छ और निर्मल बनाने के उद्देश्य से विधायक विपिन जैन के नेतृत्व में 1 मई 2025 से शुरू हुए शिवना शुद्धिकरण अभियान के 54 वे दिन रविवार को सभी श्रमदानीयो ने श्रमदान कर पसीना बहाया और पशुपतिनाथ मंदिर के पास छोटी पुलिया से कोर्ट रोड के आसपास उग आई गाजर घास व झाडियां श्रमदानियों द्वारा काटी गई व प्लास्टिक की थैलियां व गंदगी भी रोड किनारे से हटाई गई। इस अवसर पर विधायक श्री विपिन जैन ने कहा कि अब शिवना नदी प्रदूषणमुक्त दिखाई देने लग गई है तीर्थयात्री व स्थानीय लोग घाट पर स्नान कर रहे हैं और यह दृश्य देख कर बहुत अच्छा लग रहा है। श्री जैन ने सभी से आह्वान करते हुए कहा कि शिवना नदी को प्रदूषण मुक्त रखने की हम सब लोगों की जिम्मेदारी है। जैन ने कहा कि यह श्रमदान का कार्य हर रविवार को प्रात: 7 से 9 बजे के बीच निरंतर जारी रहेगा। शिवना शुद्धिकरण के 54 वें दिन रविवार को श्रमदान करने वालों में विधायक विपिन जैन, समाजसेवीयो में रमेश सोनी, हेमराज खाबिया, राकेश जैन पिंटू, विजय आनंद, मनोज मावर, रामनारायण मालवीय पूर्व सैनिक, भंवरलाल प्रजापत, मोहित वर्मा, विशाल वर्मा, गांव अमलावद से इंद्रेश कुमावत भगत, महिपाल सिंह परिहार, धमनार से सोहन लाल धाकड, महिला नेत्रीयो मे इष्ट भाचावत, अनिता भदोरिया, प्रमिला पंवार, वर्षा धोसरिया, मीना चौहान, कौशल्या त्रिवेदी, कांग्रेसजन मे सर्वश्री तरुण खींची, विकास दशोरा, राजनारायण लाड, रमेश सिंगार, राजेश फरक्या, संजय नाहर, राहुल तिवारी, विश्वास दुबे, सुनील पामेचा, अजय सोनी, रमेश ब्रिजवानी, महेश गुप्ता, सादिक गौरी, शिवशंकर सोलंकी, राकेश सेन, आमिन खान, दुर्गेश चंदेल, राजेश चौधरी, गणपत कुमावत, नितनेस बसेर, राजेश खींची, गोपाल बंजारा, राजाभाई, अकरम खान, ऋषिराज लाड आदि उपस्थित थे।

जिले में अब तक 328.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले में इस वर्ष अब तक औसतन 328.0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गयी है। जब कि पिछले 24 घन्टों में मंदसौर जिले में 5.4 मिमी वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है। पिछले 24 घन्टों में मंदसौर में 1.0 मि.मी., सीतामऊमें 12.4 मि.मी., सुवासरा में 0 मि.मी., गरोठ में 0 मि.मी., भानपुरा में 0 मि.मी., मल्हारगढ मे 0 मि.मी., धुधंडका में 19.0 मि.मी., शामगढ में 7.6 मि.मी., संजीत में 2.0 मि.मी., कयामपुर में 13.0 मि.मी. एवं भावगढ में 5.0 मि.मी वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है। विगत 1 जून से अब तक वर्षा मापक केन्द्र मंदसौर में 429.0 मि.मी., सीतामऊ में 240.6 मि.मी. सुवासरा में 189.8 मि.मी., गरोठ में 262.0 मि.मी., भानपुरा में 910.8 मि.मी., मल्हारगढ मे 159.0 मि.मी., धुधंडका में 268.0 मि.मी., शामगढ में 290.0 मि.मी., संजीत में 246.0 मि.मी., कयामपुर में 203.9 मि.मी. एवं भावगढ में 409.0 वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है। गांधीसागर बांध का जल स्तर अब तक 1289.75 फीट है।

द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर स्नेह नगर महिला भक्त मित्र मंडल समिति ने निकाली कावड़ यात्रा

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर स्नेह नगर महिला भक्त मित्र मंडल समिति ने मुरैना व शिवपुरी की तर्ज व वहा के पैटर्न पर कावड को सुसज्जित कर प्रथम बार मंदसौर में भ्रमण कराते हुवे 250 कांवडियों के साथ विशाल कावड यात्रा निकाली। जिसका जगह-जगह पर स्वागत किया गया

सर्वप्रथम कैलाश गुप्ता ने फूलों से एवं केला प्रसाद वितरण कर किया स्वागत किया उसके पश्चात सूर्यांश परिसर गेट के सामने श्याम दूध डेयरी पर शर्मा के पोहे व चाय का स्वल्पाहार से सत्कार किया। उसके बाद विधायक विपिन जैन ने अपने कार्यालय के सामने कावडियों का केले वितरित कर स्वागत किया। विधायक अपने साथियों के साथ नये तर्ज पर सुसज्जीत कावड को देखकर हर भक्त आश्चर्यचकित एवं भक्ति में लीन होकर कावड के सामने भजनों पर थिरके । कावड के साथ चलने वाले सभी महिलाओं ने शिव भक्ति के भजनों एवं

भगवान राम के आगमन व माताजी भजनों पर गरबे करते हुए पशुपतिनाथ महादेव मंदिर पहुंचे वहां पर भगवान को जल अभिषेक व दर्शन लाभ लेकर सभी के लिए सुख समृद्धि शांति व अच्छी बरसात के लिए मनोकामना करते हुए नतमस्तक हुए। उसके पश्चात सभी के सहयोग प्रयास से एवं अंशदान से आयोजित भोजन प्रसादी ग्रहण करी। शानदार व्यवस्था एवं भोजन प्रसादी के लिए आयोजक महिला भक्त मित्र मंडल का धन्यवाद किया। इसमें सभी भक्तों ने कॉलोनी वासियों ने ग्रुप के सदस्यों ने भाग लेकर आयोजन कावड यात्रा को सफल बनाया। इस कावड यात्रा में विशेष कर बाहर से आए मनोज शर्मा शिवपुरी, रमाकांत शर्मा मुरैना, अशोक शर्मा, श्याम शर्मा, ओपी मिश्रा, आंनद सिंह, अरुण सोनी, पंडित सत्यनारायण शर्मा अमलावद वाले, पुजारी सहायक कृष्णा व्यास, दिनेश विश्वकर्मा, गोवर्धन लाल टेलर, श्याम दूध डेयरी, मनोज माहेश्वरी, गोपाल नागदा, कमलेश मेहता, सुनील शर्मा, विजय नागौर, जितेंद्र भीरमा, पवन दुर्गेश, राहुल बबलू पाटीदार, राजीव पंडित आदि एवं कांवडियों में महिला भक्त मित्र मंडल समिति अध्यक्ष नीलम शर्मा, उपाध्यक्ष ज्योति बीरमा, लता लोहार, सचिव राखी त्रिवेदी, सहसचिव उम्रा शर्मा, कोषाध्यक्ष भावना शर्मा, संचालक पुष्पा शर्मा, रानी शर्मा, रेखा सोनी, गिरजा पाटीदार, ज्योति भाटी अनुसीया टेलर, गायत्री माहेश्वरी समिति सलाहकार संयोजन श्री मति अरुणा मिश्रा, मीडिया प्रभारी किरण शर्मा ने सभी की सराहना करते हुवे सफल आयोजन की बधाई दी ।यह जानकारी मंदिर सेवक एस एल शर्मा ने दी।

गरोठ पुलिस द्वारा एमडी व डोडाचूरा की तस्करी करते एक गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से 80 ग्राम एमडी व 02 किलो डोडाचुरा जप्त किया

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध चलाये गये विशेष अभियान के चलते श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय मदंसौर श्री अभिषेक आनंद के निर्देशन एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ श्रीमति हेमलता कुरील एव श्रीमान विजय कुमार यादव एसडीओपी गरोठ के मार्गदर्शन में अवैध मादक पदार्थो के रोकथाम व धरपकड अभियान के तहत निरीक्षकहरीश मालवीय थाना प्रभारी गरोठ के कुशल निर्देशन में सउनि बलवानसिंह देवडा को दिनांक 20.07.2025 मुखबीर की सूचना मिली की दो व्यक्ती बिना नम्बर की लाल रंग की एच.एफ.डिलक्स मो.सा. से काले रंग के बैग में अवैध मादक पदार्थ एम.डी. व डोडाचुरा एक दुसरे के बीच में छीपाकर रखकर राजस्थान से बोलिया होते हुए गरोठ तरफ जाने वाले हे मुखबीर द्वारा दी गई सूचना विश्वसनीय होने से तत्काल कार्यवाही करते हुए निरीक्षक हरीश मलावीय थाना प्रभारी गरोठ के निर्देशन में सउनि बलवानसिंह देवडा द्वारा एक टीम गठित कर मुखबीर द्वारा बताये सूचना की तस्दीक एंव कार्यवाही हेतु रवाना होकर रेल्वे फाटक के पास बालाजी मंदिर के सामने पहुंच कर नाका बंदी की गई जो मुखबीर सूचना अनुसार दो व्यक्ती बिना नम्बर की लाल रंग की एच.एफ.डिलक्स मो.सा. से बोलिया तरफ से आते दिखाई दिये जो पुलिस को देखते ही मो.सा. को वापस घुमाकर भगाने का प्रयास किया जिसे हमराही फोर्स की मदद से से मो.सा. पर पीछे बैठे व्यक्ति को बैग सहित पकडा उक्त व्यक्ति का नाम पता पूछने पर अपना नाम रघुराज पिता श्यामसिंह सौंधिया राजपुत उम्र 18 साल 05 दिन निवासी महुडिया थाना बडौद जिला आगर मालवा का रहने वाला बताया आरोपी रघुराज से पुछताछ के आधार पर दो अन्य आरोपी बनाये गये। आरोपीगण के विरुद्ध अपराध क्रमांक 298/2025 धारा 8/18,22,29 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध किया गया।

हर्णेश्वर महादेव मंदिर से आज निकलेगी कावड़ यात्रा

सुवासरा, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। हर्णेश्वर महादेव मंदिर समिति के तत्वाधान में सावन माह के दूसरे सोमवार को विशाल कावड यात्रा का आयोजन होगा। कावड यात्रा सुबह 8:00 बजे नर्मदेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होगी जो नगर के प्रमुख मार्ग से होते हुए गणेश मगरा, खाखरा बालाजी, अमलेश्वर महादेव मंदिर, आनंद धाम तीर्थ घसोई होते हुए हरनेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी। इसके बाद दोपहर 2:00 बजे हर्नेश्वर महादेव का जलाभिषेक, महाआरती और प्रसादी का वितरण किया जाएगा। कावड यात्रा के दौरान नगर में जगह-जगह पुष्प वर्षा से कावड यात्रियों का स्वागत किया जाएगा। 12 किलोमीटर निकलने वाली इस कावड यात्रा में बडी संख्या में नगर के श्रद्धालु शामिल होंगे। मंदिर समिति के द्वारा अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कावड यात्रा में शामिल होने की अपील की गई।

जनरल क्लास में भी यात्रियों को रेलवे देगा स्वादिष्ट भोजन

नईदिल्ली, 20 जुलाई। रोजाना ट्रेनों में लाखों की संख्या में यात्री यात्रा करते हैं। एसी और स्लीपर क्लास में तो यात्री आसानी से यात्रा करते हैं लेकिन जनरल क्लास में यात्रा करना बेहद मुश्किल होता है। जनरल क्लास में यात्रा के दौरान यात्रियों को खाने पीने की परेशानियां भी होती है। रेलवे ने अब जनरल क्लास के यात्रियों के लिए एक नई सुविधा शुरू करने का फैसला लिया है। अब खाने पीने के लिए यात्रियों को इधर-उधर नहीं भटकना होगा। जनरल क्लास में ही आईआरसीटीसी यात्रियों के लिए खाना उपलब्ध कराएगा। सबसे बड़ी बात है कि खाने की कीमत बेहद कम रखी गई है।

जनरल क्लास में मिलेगा कम रेट में भोजन–आईआरसीटीसी के द्वारा

अक्षयपात्र योजना की शुरुआत की गई है जिसके अंतर्गत जनरल क्लास में कम रेट में यात्रियों को खाना परोसा जाएगा। इस योजना के अंतर्गत मात्र 80 रुपए में गुणवत्ता युक्त भोजन यात्रियों को मिलेगा।

मात्र 80 रुपए में खा सकते हैं टेस्टी खाना–जनरल क्लास की यात्री 80 रुपए खर्च कर दाल, चावल, रोटी, सब्जी, अचार खा सकते हैं। खाने की पैकिंग भी बेहद अच्छे तरीके से की जाएगी। खाना आईआरसीटीसी के वेंडर यात्रियों के हाथ में ले जाकर देंगे। अब स्टेशनों पर जनरल क्लास के सामने टेबल लगाकर खाना उपलब्ध कराया जाएगा।

इन 6 ट्रेनों में शुरू हो चुकी है यह सुविधा–आईआरसीटीसी के अनुसार 6 ट्रेनों में सुविधा की शुरुआत हो चुकी है। गोमती एक्सप्रेस, श्रीनगर गंगानगर नई दिल्ली इंटरसिटी एक्सप्रेस, कैफियत एक्सप्रेस, अयोध्या एक्सप्रेस, बरौनी लोनी एक्सप्रेस, दरभंगा नई दिल्ली क्लोन एक्सप्रेस ट्रेन में किसी सुविधा की शुरुआत हो चुकी है। रेलवे ने कहा है कि जल्दी अन्य ट्रेनों में इसकी शुरुआत की जाएगी। इंडियन रेलवे के द्वारा जनरल क्लास की यात्रियों की सुविधा के लिए अक्षयपात्र योजना की शुरुआत की गई है ताकि उन्हें आसानी से खाना और पानी उपलब्ध हो सके।

नीमच से नांदेड-जोधपुर तक सीधी नियमित ट्रेन आज से

विधायक परिहार ने नरेन्द्र मोदी, अश्विनी वैष्णव एवं सांसद गुप्ता का माना आभार

नीमच, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। रेल सुविधाओं के क्षेत्र में अंचल को नवीन ट्रेन की सौगात आज मिलने जा रही है। नीमच-मंदसौर अब सीधे महाराष्ट्र के नांदेड से लेकर राजस्थान के जोधपुर तक सीधे जुड रहे हैं। लम्बी दूरी की यह ट्रेन आज 20 जुलाई से प्रारंभ होकर प्रतिदिन चलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रेलमंत्री अश्विनी वैश्णव निरंतर रेल सुविधाओं का विस्तार कर आमजन को बेहतर रेल सेवा देने के सदप्रयास कर रहे हैं। भारतीय रेल्वे की तस्वीर पिछले कुछ सालों में तेजी से बदली है।

नवीन ट्रेन प्रारंभ करने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रेलमंत्री अश्विनी वैश्णव एवं सांसद सुधीर गुप्ता का आभार प्रकट करते हुए विधायक दिलीपसिंह परिहार ने कहा कि सांसद सुधीर गुप्ता लगातार संसदीय क्षेत्र के विकास और रेल विस्तार की दिशा में कार्य कर रहे हैं। नांदेड-जोधपुर ट्रेन अंचल के लिए एक नई सौगात हैं। अब प्रतिदिन संसदीय क्षेत्र के निवासियों के लिए मंदसौर, नीमच एवं जावरा रेल्वे स्टेशन से काचीगुडा (महाराष्ट्र) से भगत की कोठी (जोधपुर, राजस्थान) तक की सीधी रेल सुविधा मिलेगी। ट्रेन क्रमांक 17605-17606 नांदेड-जोधपुर ट्रेन के चलने से नीमच के निवासियों को प्रतिदिन महाराष्ट्र के नांदेड, पूर्णा, वाशिम, अकोला, मप्र के खण्डवा, इटारसी, भोपाल, उज्जैन, रतलाम और राजस्थान के चित्तौड, भीलवाडा, अजमेर, मारवाड, जोधपुर तक सीधी रेल सुविधा उपलब्ध होगी। इससे यात्रियों को तो सुविधा मिलेगी ही साथ ही धार्मिक यात्रा व पर्यटन को भी बढावा मिलेगा। विधायक दिलीपसिंह परिहार ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से चित्तौडग़ढ-नीमच-भोपाल नवीन वन्दे भारत ट्रेन शीघ्र प्रारंभ करने की मांग की, जिससे राजधानी भोपाल जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिल सके। श्री परिहार ने कहा कि अंचल में रेल सुविधाओं का निरन्तर विकास हो रहा है। चित्तौडगढ से जयपुर के लिए वन्दे भारत ट्रेन संचालित हो रही है। कई ट्रेनों का विस्तार एवं स्टॉपेज अंचल में किया गया है। रेल्वे स्टेशनों का उन्नयन, एस्केलेटर, यात्री सुविधाओं का विस्तार सहित विश्वस्तरीय सुविधाएँ मुहैया करवाई जा रही हैं।

वन विभाग ने मॉनिटर लिजार्ड (गोह) के अंगों की तस्करी करने वाले तीन आरोपियों को दबोचा

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। वनमंडल अधिकारी, सामान्य वनमंडल मंदसौर श्री संजय रायखेरे द्वारा बताया गया कि, वनमण्डल मंदसौर के अंतर्गत वनपरिक्षेत्र भानपुरा में आज 20 जुलाई 2025 को वन्यजीवों के अवैध व्यापार के खिलाफ एक बडी कार्यवाही में वन विभाग ने आज गोह (Monitor Lizard) के शरीर के अंगों, जिसे 'हत्था जोडी' कहा जाता है, की तस्करी करने के आरोप में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। यह सफल ऑपरेशन श्री मस्तराम बघेल, मुख्य वन संरक्षक (उज्जैन वृत्त), और श्री संजय रायखेरे, वनमंडलाधिकारी, मंदसौर के कुशल मार्गदर्शन में तथा श्रीमती सरोज रोज, उप वनमंडलाधिकारी, गरोठ के सीधे निर्देशन में परिक्षेत्र भानपुरा में संपन्न हुआ। वन विभाग को एक मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग मॉनिटर लिजार्ड के शरीर के हिस्से हत्था जोडी बेचने की फिराक में हैं। सूचना पर कार्यवाही करते हुए वन स्टाफ ने एक कर्मचारी को ग्राहक बनाकर संदिग्धों से मिलने भेजा। पूर्व नियोजित इशारे पर वन अमले ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दो संदिग्धों को मौके पर ही हिरासत में ले लिया। संदिग्धों की तलाशी लेने पर उनके पास से 42 नग हत्था जोडी, एक चाकू और कुछ नकदी बरामद हुई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान विजय पिता रमेश निवासी ग्राम तोरनिया नाहरगढ तहसील भानपुरा जिला मंदसौर एवं समरथनाथ पिता सिंघानाथ निवासी ग्राम हनुमंतीया, कुकडेश्वर तहसील, मनासा जिला नीमच के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ के बाद, इस मामले से जुडे एक और संदिग्ध करण उर्फ धर्मा हरिजन निवासी कुकडेश्वर तहसील, मनासा जिला नीमच को भी हिरासत में लिया गया है। गोह को भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची 1 के तहत् संरक्षित किया गया है और लुप्तप्राय प्रजातियो में अंतराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन के परिशिष्ट 1 में सूचीबद्ध किया गया है जो जानवर या उसके शरीर के अंगो के आयात या निर्यात को प्रतिबंधित करता है। इस मामले में आरोपीयो के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर आगे की विस्तृत जांच और आवश्यक कानूनी कार्यवाही जारी है।

108 एम्बुलेंस सेवा की गुणवत्ता को सुधारने की आवश्यकता है-पाण्डेय

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। 108 एम्बुलेंस सेवा की गुणवत्ता को सुधारने की आवश्यकता है विगत दिनों में कई एक्सीडेंट की घटनाओं 108 एंबुलेंस बहुत विलंब से पहुंची जिसके कारण दुर्घटनाग्रस्त मरीज को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाई जो बहुत ही गंभीर विषय है

सामाजिक कार्यकर्ता रविन्द्र पाण्डेय ने कहा कि प्रशासन का ध्यान एक महत्वपूर्ण एवं मूलभूत आवश्यकता की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि तुरंत संज्ञान में लेकर इसकी गुणवत्ता को सुधारने की आवश्यकता है। 108 वाहनों की की स्थिति बहुत खराब है कई वाहनों की गति भी बहुत धीमी रहती है जिससे मरीज समय पर उचित चिकित्सा के लिए पहुंच नहीं पाता व उसकी जान पर बन आती है। श्री पाण्डेय ने बताया कि 108 आपातकालीन सेवा, एक 24/7 मुफ्त सेवा है, जो चिकित्सा, पुलिस और अग्नि आपात स्थितियों में तत्काल सहायता प्रदान करती है। इसका औचित्य यह है कि यह लोगों को गंभीर परिस्थितियों में जीवनरक्षक सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँच सीमित हो सकती है इस नंबर पर संपर्क करने पर तुरंत 20 से 40 मिनट में पहुंचना चाहिए जो बहुत विलंब से पहुंच रही है।

श्री पाण्डेय 108 आपातकालीन सेवा के औचित्य को बताते हुए कहा कि 108 सेवा आपात स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान करती है, जो जीवन बचाने के लिए महत्वपूर्ण है। यह सेवा चौबीसों घंटे उपलब्ध रहना चाहिए जिससे लोग किसी भी समय आपात स्थिति में सहायता प्राप्त कर सके। तथा 108 सेवा एक मुफ्त सेवा है, जो सभी के लिए सुलभ हो। 108 सेवा चिकित्सा, पुलिस और अग्नि सेवाओं को एकीकृत करती है, जिससे विभिन्न आपात स्थितियों में लोगों को एक ही नंबर पर सहायता मिल जाती है। श्री पाण्डेय ने कहा कि 108 केवल नंबर नहीं हैं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि का ज्ञान इस नंबर में है. शून्य से लेकर अनंत तक 108 नंबर रहता है. साधु संत महात्माओं एवं पूजनीय व्यक्तित्वों के नाम के पहले श्री-श्री 108 लिखा रहता है। 108 नम्बर पर कॉल करने पर निकटतम एम्बुलेंस और स्वास्थ्य सेवा केंद्र की पहचान की जाती है और संबंधित पक्षों को जानकारी दी जाती है। जब एम्बुलेंस रास्ते में होती है, तो ऑपरेटर कॉल करने वाले व्यक्ति से संपर्क करके आश्वासन और पुष्टिप्रदान करता है, साथ ही आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन (ईएमटी) को संबंधित जानकारी भी प्रदान करता है। श्री पाण्डेय ने जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि जिले में संचालित 108 एम्बुलेंस की जांच की जाए तथा उनमें जो भी खाबिया है उसे दुरूस्त किया जाए जिससे की इसकी सार्थकता सिद्ध हो सके एवं दुर्घटना या आपात स्थिति में यह मरीजों की जान बचा सके।

छात्रवृत्ति के आवेदन 20 अगस्त तक आमंत्रित

मंदसौर, 20 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. स्लेट पेन्सिल कर्मकार - कल्याण मण्डल सचिव ने बताया कि म.प्र. स्लेट पेन्सिल कर्मकार कल्याण मण्डल, मंदसौर द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष 2025-26 हेतु मंदसौर जिले के स्लेट पेन्सिल उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं सिलिकोसिस बीमारी से पीड?त/विधवा सहायता प्राप्त महिलाओं एवं सिलिकोसिस बीमारी से मृत श्रमिकों के नियमित अध्ययनरत (केवल दो बच्चों) को मण्डल से अध्ययन हेतु प्रदाय की जाने वाली छात्रवृत्ति के आवेदन-पत्र मण्डल कार्यालय से कार्यालयीन समय में 1 जुलाई 2025 से 20 अगस्त 2025 तक की अवधि में वितरित किये जावेंगे तथा उक्त अवधि में ही भरे हुए आवेदन पत्र भी जमा किये जावेंगे। समस्त पात्र छात्र/छात्राओं के छात्रवृत्ति के आवेदन-पत्र निर्धारित दस्तावेजों सहित पूर्ण कर पालकगण 20 अगस्त 2025 तक मण्डल कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा करावें।

संयुक्त उठावना

पारसमल एवं अजयकुमार की पूज्य माताजी, बलवंत सिंह, दिलीप, अजित, सुनील, अनिल की बडी माताजी संजय, लोकेंद्र, सनत, प्रकाश, ऋषभ, ललित, विजेंद्र, जिनेंद्र, रौनक, आदेश, उमंग की दादीजी और महाक्ष की परदादीजी, स्व. भंवरलालजी, स्व. मदनलालजी, सुंदरलालजी, ज्ञानचंदजी मोगरा की बहन, डॉ रमेश जी, शौकीनजी, डॉ अंतिमजी मोगरा के बुआजी एवं स्व.श्री मांगीलालजी फाफरिया की धर्मसहायिका श्रीमती भागवंती बाई फाफरिया का अरिहंत शरण हो गया है। जिनका उठवाना 21 जुलाई 2025 सोमवार को प्रात: 10.15 बजे स्थान ओसवाल लोढेसाथ जैन धर्मशाला, गीता भवन रोड मंदसौर पर रखा गया है

***** शोकाकुल *****
फाफरिया परिवार मंदसौर एवं मोगरा परिवार जीरन

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in